भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1271** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **09 फरवरी**, **2024/20** माघ, 1945 (शक) को दिया जाना है

समुद्री अनुसंधान

1271. श्री डी. एम. कथीर आनन्द :
डॉ. टी. सुमति (ए) तामिझाची थंगापंडियन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का थाइयूर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के खोज परिसर में स्थापित राष्ट्रीय पत्तन, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केन्द्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) के माध्यम से समुद्री अनुसंधान करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एनटीसीपीडब्ल्यूसी का उद्देश्य तलछट परिवहन, नौवहन, तलकर्षण और गाद निकलने, पत्तन और तटीय इंजीनियरिंग, स्वायत्त प्लेटफार्मों और वाहनों के संबंध में अनुसंधान और अध्ययन करना है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) एनटीसीपीडब्ल्यूसी की स्थापना के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई है और सरकार द्वारा भारत में समुद्री क्षेत्र के आधुनिकीकरण को समर्थ बनाने की दिशा में समाधान तैयार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क), (ख) और (ग): सरकार ने देश में पोतों, जलमार्गों और तटों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के लिए नए एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान- आधारित इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला कार्यक्रम के तहत भारतीय तकनीकी संस्थान, मद्रास, चैन्ने के सहयोग से राष्ट्रीय पत्तन, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केन्द्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) की स्थापना की है। यह संस्थान, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से युक्त है जिनमें सेडीमेंट मैनेजमेंट एवं टेस्ट बेसिन, ब्रिज मिशन सिम्यूलेटर, फिल्ड रिसर्च प्रयोगशाला तथा समुद्री सूचना और संचार प्रयोगशालाएं शामिल हैं। संस्थान ने पत्तनों और जलमार्गों के लिए 120 से अधिक अनुसंधान एवं तकनीकी समर्थित परियोजनाएं शुरू की हैं और 10 से

अधिक नए उत्पादों का विकास किया है जो व्यापारीकरण के लिए तैयार है। कुछ महत्वपूर्ण स्वदेशी समाधानों में ऑनलाइन ड्रेजिंग निगरानी प्रणाली, हाइड्रोमिट्रियोलॉजी निगरानी हेतु नेकस्ट जनरेशन टेक्नोलॉजी, रियल टाइम- अंडर वॉटर कील क्लियरेंस, स्वदेशी जलयान यातायात प्रबंधन प्रणाली स्वायत्त हाइड्रोग्राफिक तथा समुद्रविज्ञानीय (ओशियनोंग्राफिक) सर्वेक्षणों के लिए अनमैंड सर्फेस वेसल्स, जलमार्गों और डिजीटल ट्विन्स के लिए नेकस्ट जनरेशन नेवीगेशन शामिल है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी को 77 करोड़ रु. की लागत पर सरकार और उसके अधीनस्थ संगठनों द्वारा वित्तीय सहायता से स्थापित किया गया है।

*****